*Enhanced Edition
NEP 2020 Guidelines

तापसी

हिंदी उत्तर पुस्तिका

8

YBPL

तापसी हिंदी उत्तर पुस्तक-7

अधयाय-1 : कलम आज उनकी जय बोल

1.मौखिक : स्वयं करें। **लिखित :** 1. कवि शहीदों की जय बोलने की प्रेरणा दे रहा है। 2. अस्थियाँ जलाकर चिनगारी छिटकाने का आशय हड्डियाँ जलाकर अर्थात् अपना सर्वस्व न्यौछावर कर लोगों में क्रांति की नई चेतना फूकने से है। 3. 'लघु दीप' छोटे बलिदानी वीरों को कहा गया है। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. ब, 2. स, 3. अ, 4. ब, 5. ब, (ख) **भाषा की बात : (क)** पुण्य, अगणित, लाल, सहमी, **(ख) धरती :** भू, धरा, पृथ्वी, **दीप :** दीपक, दीया, **दिन :** दिवस, वासर, वार, **मुँह :** मुख, आनन, वदन, **कलम :** पैन, लेखनी, **सोचने-समझने की बात :** देश की आजादी दिलाने में अगणित शहीदों का योगदान रहा है। ये शहीद दो भागों में बँटे थे-नरम दल और गरम दल। नरम-दल के शहीद का कार्य अहिंसा, प्रेम के साथ देश को आजाद कराना था जबकि गरम दल का कार्य हिंसा, मार-पीट के साथ देश को आजाद कराना था। **कुछ करने की बात :** स्वयं कीजिए ।

अध्याय-2 : एक कुत्ता और एक मैना

1. मौखिक : स्वयं करें। **लिखित :** 1. शांति निकेतन छोड़कर गुरुदेव श्री निकेतन रहने चले गए। 2. लेखक के वहाँ पहुँचने पर गुरुदेव बाहर एक कुर्सी पर चुपचाप बैठ अस्तगामी सूर्य की ओर ध्यान-स्तिमित नयनों से देख रहे थे। 3. गुरुदेव ने अपने कुत्ते के बारे में बताया कि प्रतिदिन प्रात:काल यह भक्त कुत्ता शांत होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग नहीं स्वीकार करता। इतनी-सी स्वीकृति पाकर ही उसके अंग-अंग में आनंद का प्रवाह बह उठता है। 4. इस वाक्य-हीन प्राणिलोक में सिर्फ यही (कुत्ता ही) एक जीव अच्छा-बुरा सबको भेदकर संपूर्ण मनुष्य को देख सका है उस आनंद को देख सका है, जिसे प्राण दिया जा सकता है या जिसमें अहैतुक प्रेम ढाल दिया जा सकता हैय जिसकी चेतना असीम चैतन्य लोक में राह दिखा सकती है। 5. ''उस मैना को क्या हो गया है, यही सोचता हूँ। क्यों वह दल से अलग होकर अकेली रहती है? पहले दिन देखा था सेमर के पेड़ के नीचे मेरे बगीचे में। जान पड़ा जैसे एक पैर से लँगड़ा रही हो। इसके बाद उसे रोज सवेरे देखता हूँ--साथीविहीन होकर कीड़ों का शिकार करती फिरती है। चढ़ आती है बरामदे में। नाच-नाच कर चहलकदमी दिया करती है, मुझसे जरा भी नहीं डरती। इसकी ऐसी दशा क्यों है? समाज के किस दंड पर उसे निर्वासन मिला है, दल के किस अविचार पर उसने मान किया है? कुछ ही दूरी पर और मैनाएँ बक-झक कर

रही हैं, घास पर उछल-कूद रही हैं, उड़ती फिरती हें शिरीष वृक्ष की शाखाओं पर। इस बेचारी को ऐसा कुछ भी शौक नहीं है। इसके जीवन में कहाँ गाँठ पड़ी हे, यही सोच रहा हूँ। सवेरे कूदती-फिरती है सारा दिन। किसी के ऊपर इसका कुछ अभियोग है, दो आग-सी जलती आँखें भी तो नहीं दिखतीं।'' इत्यादि। प्रात: काल में शांत होकर उनके आसन के पास बैठा रहता जब तक कि वे उसे स्पर्श न करलें। उधर स्पर्श करते ही उसके शरीर में प्रसन्नता की लहर उठने लगती थी। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. ब, 2. स, 3. स, 4. ब, 5. स, **(4)** 1. लँगडी, 2. प्रवास, 3. करुण भाव, 4. आश्रम, 5. कुत्ते, 6. दया, 7. समाज। **भाषा की बात :** (क) **विशेषण :** „ सहज, 2. अधिकांश, 3. चक्करदार, 4. क्षीणवपु, **विशेष्य :** 1. बोध, 2. लोग, 3. सीढ़ियों, 4. रवीन्द्रनाथ, **(ग)** 1. राम की माताजी धीरे-धीरे चलती हैं। 2. राम शुरू-शुरू में पढ़ाई में कमजोर था। 3. मुझे कभी-कभी दिल्ली जाना पड़ता है। 4. समय-समय पर हमें अपनी शारीरिक जाँच करानी चाहिए। 5. मेरे साथ बक-झक मत कर। **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं कीजिए।

अध्याय-3 : मेरी शिक्षा

1. मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. लेखक का अक्षरारंभ मौलवी साहब ने कराया था। 2. लेखक के चाचा में निम्नलिखित विशेषताएँ थीं-वह घोड़े की सवारी करते थे, बंदूक और गुलेल चलाना भी खूब जानते थे, फारसी भी पढ़े थे और शतरंज भी खूब खेलते थे। 3. बंदर पर गुलेल चलाने पर मौलवी साहब के बाएँ हाथ के अँगूठे से तर-तर खून टपकने लगा और चोट के दर्द से वे सहमकर बैठ गए। गोली बंदर के बजाए वे खुद को मार बैठे थे। **4.** मौलवी साहब, कोई काम करना नहीं जानते, इस बात को कबूल करना वे अपनी शान के खिलाफ समझते थे। **5.** लेखक को पढ़ाने के लिए जो मौलवी साहब आए थे, वे बहुत ही अनोखे व्यक्ति थे। वे हर तरह का काम कर सकते हैं उनका दावा था। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. स, 2. ब, 3. स, 4. द, 5. ब, **(4)** 1. लड़कपन, 2. बंदर, 3. दरख्त, 4. जमीन, 5. दीया, 6. किताब, 7. दूसरे कार्य को, **(5)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✓4. ✗ 5. ✓ 6. ✓, **(6)** 1.बलदेव चाचा ने मौलवी साहब से, 2. चाचा ने मौलवी साहब से (7) 1. अनुस्वार - संध्या, गंभीर, पसंद, रातरंज, नींद, अनुनासिक- ऊँचाई, साँड, बाँटी, हँसना, पाँचवें। **भाषा की बात : (क) आव :** बहाव, बचाव, **पन :** बचपन, लड़कपन, **आवा :** दिखावा, पहनावा, **वट :** लिखावट, सजावट, **पा :** मोटापा, बुढ़ापा, **त्व :** गुरुत्व, लघुत्व, **(ख)** 1. हमने अपना सबक याद कर लिया।, 2. मैंने चिड़ियाघर में एक विचित्र जानवर देखा।, 3. अभिमन्यु बेखौफ चक्रव्यूह में घुस गया।, 4. पुराने समय में लोग रात में दीया जलाकर पढ़ते थे।, 5. हमें पढ़ने के लिए मौलवी साहब के सुपुर्द कर दिया गया। **(घ) 1. दिन**

: वार, वासर, दिवस, **2. भाई :** भ्राता, सहोदर, बंधु, **3. बाग :** उपवन, वाटिका, उद्यान, **4. बंदर :** कपि, वानर, मर्कट, **5. सूर्य :** दिनकर, दिवाकर, भास्कर, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें।, **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-4 : आखिरी पेड़

1. मौखिक : स्वयं करें।, **2.लिखित :** 1. कोयल की कूक से लेखक इसलिए परेशान था क्योंकि वह रात को बारह बजे के बाद सोता था तथा कोयल कभी रात के दो बजे, कभी तीन बजे और कभी सुबह होते-होते कूहू-कूहू करने लगती थी तथा लेखक उसकी झंकारती करुण रागिनी सुनकर परेशान हो जाता था। 2. कोयल को अरण्याती इसलिए कहा जाता है क्योंकि कोयल जंगलों व बाग-बगीचों में केवल पेड़ पर रहने वाला पक्षी है। 3. शहर के आस-पास के बाग-बगीचे नयी कॉलोनियाँ बनाने के लिए काटे जा रहे हैं। 4. निरंतर बढ़ती कॉलोनियों से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। जिसके कारण लोगों को अनेक बीमारियों ने आ घेरा है। साँस लेने के लिए शुद्ध हवा भी नहीं मिल रही है। जगह-जगह कूडे के ढेर लगे हैं। वायु, जल, भूमि सब प्रदूषित हो गए हैं। 5. उपभोकतावादी संस्कृति से तात्पर्य हमारा नयापन है। अर्थात् आराम की जिंदगी, शहरों में बसना, नई-नई कॉलोनियों में रहना। पैसे कमाने के चक्कर में रहना, नम्बर दो के धंधो से मालामाल हो जाना आदि यह कथा किसी एक नगर की नहीं बल्कि सभी की है। असर कहीं कम है, कहीं ज्यादा। उद्योग-धंधे जहाँ हाथ-पाँव फैला रहे हैं, जहाँ सरकार के बड़े-बड़े कार्यालय खुल रहे हैं, वहाँ नगर फैल रहा है। यहाँ कुछ लोग गाँवों से आ रहे हैं। कार्यालयों, उद्योग-धंधों अथवा निजी व्यवसाय से आये हुए ये लोग और इनके बच्चे फिर गाँव की ओर लौटना नहीं चाहते हैं। नगरों के फैशन और दिखावे की जिंदगी में ये अपने को तेजी से ढाल लेते हैं। यह उपभोक्ता संस्कृति का अभिशाप है। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)**1. ब, 2. स, 3. द, 4. द, 5. द, 6. स, **(4)** 1. शोर, 2. मकान, 3. बसन्त, 4. किरायेदारी, 5. दिखावे, 6. कॉलोनी, 7. ठेकेदारों, **भाषा की बात :** (क) उपनाम / उपमंत्री, अधिकार / अधिनायक, प्रतिदिन / प्रतिक्षण, प्रवेश /प्रसिद्ध, अनहोनी / अनदेखा, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-5 : बड़े घर की बेटी

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. बेनी माधव श्रीकंठ लाल बिहारी के पिता थे। 2. श्रीकंठ सिंह की पत्नी आनन्दी थी वह एक उच्च परिवार से आई थी। 3. भूपसिंह आनन्दी के पिता थे। श्रीकंठ से उनकी भेंट तब हुई थी जब श्रीकंठ एक दिन उनके पास किसी चन्दे का रुपया माँगने उनके पास आए। 4. आनन्दी का लालबिहारी सिंह से झगड़ा दाल में घी नहीं डालने के कारण तथा लालबिहारी द्वारा आनन्दी के

मायके को भला-बुरा कहने के कारण हुआ था। 5. बेनी माधव सिंह ने श्रीकंठ से शिकायत की कि बहू-बेटियों का यह स्वभाव अच्छा नहीं है कि मर्दों के मुँह लगें। 6. जब लाल बिहारी ने आनन्दी के द्वार पर आकर यह कहा कि 'भाभी, भैया ने निश्चय किया है कि वे मेरे साथ इस घर में न रहेंगे। अब वे मेरा मुँह नहीं देखना चाहते, इसलिए मैं जाता हूँ। उन्हें फिर मुँह न दिखाऊँगा। मुझसे जो कुछ अपराध हुआ, उसे क्षमा करना' यह कहते-कहते लालबिहारी का गला भर आया। यह सुन व देखकर आनन्दी को अपने किए पर पश्चाताप हुआ। जब लाल बिहारी बाहर जाने के लिए दरवाजे की ओर चला तब कमरे से बाहर निकलकर आनन्दी ने उसका हाथ पकड़ कर रोक लिया और अपनी सौगंध दी कि अब एक कदम भी और न बढ़ाना इस तरह उसने अपने परिवार को टूटने से बचाया। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. अ, 2. स, 3. द, 4. स, 5. स, 6. ब, **(4)** 1. सम्मिलित, 2. व गुणवान, 3. हाँडी, 4. भावज, 5. घर, 6. पग, **(5)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✗ 6. ✓। **(6)** 1. लालबिहारी सिंह ने भावज से । 2.आनन्दी ने लालबिहारी से । 3. लालबिहारी ने श्रीकण्ठ से। 4. श्रीकण्ठ ने आनन्दी से 5. श्रीकण्ठ ने बेनीमाधव से। 6.आनन्दी ने लालबिहारी से **भाषा की बात : (क)** कच्चा, सबल, कान्तियुक्त, प्रतिकूल, निरादर, व्यय, **(ख)** 1. हेरान रह जाना, अपने भाई को गाली देते सुन मैं अवाक रह गया। 2. आदत खराब करना, लाड-प्यार के कारण अकसर लोग अपने बच्चों को सिर पर चढ़ा लेते हैं, इसलिए उन्हें प्यार भी एक सीमा में करना चाहिए। 3. प्रतीक्षा करना, किसान बारिश की बाट देखते रहे और बादल दूर छिटक कर चले गए। 4. बहुत स्वतंत्रता दे देना या अधिक लगाव होना, लता ने अपनी काम वाली को बहुत मुँह लगा रखा है। 5. कठोरता से व्यवहार करना, पता नहीं लोग बुरे व्यक्तियों को आड़े हाथों लेने से क्यों डरते हैं। 6. पीछा छुड़ाना, रमेश अपनी बुरी आदतों से पिंड छुड़ाना चाहता है। **(ग)** पुलक - इत, गुण - वर्ता, निन्दा - अक, सजीव - आ, नम्बर - दार, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं कीजिए। **कुछ करने की बात :** स्वयं कीजिए

अध्याय-6 : आत्मनिर्भरता

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. नम्रता को स्वतन्त्रता की धात्री या माता इसलिए कहा गया है क्योंकि नम्र व्यवहार से हम अपने दुश्मनों का भी दिल जीत सकते हैं। 2. नम्रता से तात्पर्य यह है कि हम अपने से बड़ों का सम्मान करें, छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करें। नम्रता से व्यक्ति स्वतंत्रतापूर्वक विकास करता है। ब्बूपन में मनुष्य दूसरों का मुँह ताकता है, जिससे उसकी संकल्पता क्षीण और प्रज्ञा मन्द हो जाती हैय जिसके कारण आगे बढ़ने के समय भी पीछे रहता है और अवसर पड़ने पर झटपट किसी बात का निर्णय नहीं कर सकता। 3. अहंकार-वृत्ति को

इसलिए स्वतंत्रता की सौतेली माँ कहा गया है क्योंकि अहंकार-वृत्ति के कारण व्यक्ति मनमाना व्यवहार करता है और स्वतंत्रता से दूर रहता है। 4. आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए चित्त की सीमा तक स्वतंत्रता आवश्यक है। 5. जिन लोगों में आत्म स्वतंत्रता व आत्मनिर्भरता की कमी होती है वे लोग आत्मसंस्कार के कार्य में उन्नति नहीं कर सकते हैं। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. ब, 2. ब, 3. द, 4. स, 5. अ, **(4)** 1. आत्म मर्यादा, 2. बड़ा, 3. सृष्टि, 4. मर्यादा, 5. चित्तवृत्ति **(5)** 1. बलवाइयों ने महाराणा प्रताप से। 2. इतिहासकार ने। 3. पुरूष सिहों ने। **भाषा की बात : (क)** चित्त+वृति, दीप+अवली, हिम+आलय, विद्या+अर्थी, दया+आनंद, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-7 : उठो धरा के अमर सपूतों

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. कवि ने लोगों को जीवन में फिर से नई स्फूर्ति व नव प्राण भरने के लिए प्रेरित किया है। 2. धरती माँ की काया पर नयी-नयी कलियाँ खिल रही हैं तथा कलियाँ फूल बनकर मुस्करा रहे हैं और ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे धरती माँ का शरीर सुनहरा (स्वर्ण) जैसा हो गया है। 3. हर बालक सरस्वती के मंदिर का रक्षक है। 4. कविता में नव युग का आह्वान सौ-सौ ज्ञान रूपी दीपक जलाकर करने को कहा गया है। 5. 'नया निर्माण करने से' कवि का तात्पर्य सभी को शिक्षित करने से है। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. स, 2. स, 3. स, 4. स, 5. ब, **(4)** यह पंक्तियाँ कविता 'उठो धरा के अमर सपूतों' से ली गई है। 2. इन पंक्तियों के कवि द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी हैं। 3. सरस्वती का पावन मंदिर शुभ सम्पत्ति है। 4. सौ-सौ दीपक जलाकर नव युग का स्वागत किया जा सकता है। **भाषा की बात :** अशुभ, कपूत, भक्षक, अपमान, ध्वंस, प्राचीन (पुरातन), अपावन (अपवित्र), काँट,(ख) **धरा :** धरती, पृथ्वी, भूमि, **प्रभात :** सवेरा, सुबह, भोर, **विहग :** पक्षी, खग, विहग, **भौंरा :** अली, भ्रमर, भृंग, **सरस्वती :** शारदा, भारती, वीणापाणि, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं कीजिए। **कुछ करने की बात :** स्वयं कीजिए।

अध्याय-8 : प्रायश्चित

1. मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. रामू की बहू कबरी बिल्ली से घृणा इसलिए करती थी क्योंकि कबरी बिल्ली के कारण रामू की बहू के लिए खाना-पीना दुश्वार हो गया। रामू की बहू के कमरे में रबड़ी से भरी कटोरी पहुँची और रामू जब आए, तब कटोरी साफ चटी हुई मिली। बाजार से मलाई आई और जब तक रामू की बहू ने पान लगाया, मलाई गायब। कबरी का हौसला बढ़ जाने से रामू की बहू का घर में रहना मुश्किल हो गया। उसे मिलती थीं, सास की मीठी झिड़कियाँ और पतिदेव को मिलता

था-रूखा-सूखा भोजन। 2. रामू की बहू ने कबरी बिल्ली को ललचाने के लिए एक कटोरा दूध कमरे के दरवाजे की देहली पर रख दिया जब बिल्ली दूध पीने लगी तो रामू की बहू ने उसे मारने के लिए उस पर पटरा पटक दिया। 3. बिल्ली के मरने पर घर में ये समस्याएँ उत्पन्न हो गईं। मिसरानी ने बहू के सिर हत्या का पाप रहने तक खाना बनाने से मना कर दिया। और बहू के सिर हत्या रहने तक घर का कोई भी सदस्य न कुछ खा सकता था और न कुछ पी सकता था। 4. पंडित जी ने बिल्ली की हत्या होने पर प्रायश्चित् के लिए यह उपाय बताया कि सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दी जाए। जब तक बिल्ली न दे दी जाएगी, तब तक तो घर अपवित्र ही रहेगा। बिल्ली दान देने के बाद इक्कीस दिन का पाठ कराया जाए। 5. महरी ने लड्खड़ाते स्वर में सूचना दी, माँ जी बिल्ली तो उठकर भाग गई। 6. इस कहानी का मूल उद्देश्य छात्रों को अंधविश्वास आदि व्यर्थ की बातों से दूर रहने की प्रेरणा देना।''

बहुविकल्पीय प्रश्न (3)1. स, 2. स, 3. स, 4. स, 5. ब, **(4)** 1. बिल्ली, 2. अपराधिनी, 3. औरतों, 4. सोने, 5. परमसुख, 6. बिल्ली, **(5)** ।. महरी ने, माँ से, 2. मिसरानी ने, पंडित जी से, 3. पंडित जी ने, रामू की माँ से, 4. रामू की माँ ने, पंडित जी से, 5. रामू की माँ ने, महरी से, **भाषा की बात :(क)** कटोरा, नर बिल्ली, दादा, दामाद, पंडिताइन, मिसरा, **(ख)** 1. आई, 2. दिखलाई, 3. लगाकर, पटक दिया, 4. बैठी रही, 5. लग सकता है, 6. बनवाई जाए, 7. लगेगा। **सोचने समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-9 : जीवन और शिक्षण

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. लेखक ने प्रचलित शिक्षा प्रणाली को विचित्र इसलिए कहा है क्योंकि आज की विचित्र शिक्षण-पद्धति के कारण जीवन के दो टुकड़े हो जाते हैं। पन्द्रह से बीस वर्ष तक आदमी जीने के झंझट में न पड़कर सिर्फ शिक्षा प्राप्त करे और उसके बाद, शिक्षण को बस्ते में लपेटकर रख, मरने तक जिये। 2. लेखक ने भगवद्गीता और अर्जुन का उल्लेख इसलिए किया है क्योंकि भगवान ने अर्जुन से कुरुक्षेत्र में ही भगवद्गीता कही। पहले भगवद्गीता का उपदेश देकर फिर अर्जुन को कुरुक्षेत्र में नहीं ढकेला, तभी उसे वह गीता पची। 3. हमारे लिए जो चीज जितनी जरूरी है, उसके उतनी ही सुलभता से मिलने का इन्तजाम ईश्वर की ओर से है। पानी से हवा ज्यादा जरूरी है, तो ईश्वर ने हवा को अधिक सुलभ किया है। जहाँ नाक है, वहाँ हवा मौजूद है। पानी से अन्न की जरूरत कम होने को वजह से पानी प्राप्त करने की बनिस्पत अन्न प्राप्त करने में अधिक परिश्रम करना पड़ता है। ईश्वर की ऐसी प्रेम-पूर्वक योजना है। 4. स्वयं करें। 5. जीवन केवल बेवजह जीने का नाम है जीवन जीने का आनंद तब ही है जब आप अपनी जिम्मेदारियों से मुँह न मोड़ें।

जिम्मेदार मनुष्य समाज में आदर पाता है। तथा वह कभी भी किसी का बेवजह विरोध नहीं करता। वह खुद जियो और दूसरों को भी जीने दो की राह पर चलता है। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. अ, 2. स, 3. स, 4. स, 5. ब, **(4)** 1. अध्ययन, 2. बेफिक्री, 3. दु:खमय, 4. कर्तव्य, 5. उदर-भरण, 6. शरीर, **भाषा की बात :** (क) मर्यादित, निर्मित, लालची, जरूरी, मानवीय, भौगोलिक, आदरणीय, भीतरी, **(ख)** 1. शरीर (उद्देश्य) की - रोज होती है।, (विधेय) 2. जीवन (उद्देश्य) की जिम्मेदारी क्या चीज है? (विधेय) 3. ईश्वर (उद्देश्य) की ऐसी प्रेमपूर्ण योजना (उद्देश्य) है।, 4. बच्चों (उद्देश्य) को खेत में काम करने दो। (विधेय), 5. विश्वामित्र (उद्देश्य), यज्ञ करते थे। (विधेय), 6. मैं, (उद्देश्य), शरीर की यात्रा के लिए परिश्रम करता हूँ। (विधेय) , **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें।, **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-10 : लेनिनग्राद

1. मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. लेनिनग्राद को देखकर लेखक को मास्को, ताशकंद, समरकंद शहरों की एक साथ याद आई।, 2. लंदन और लेनिनग्राद की भूमिगत रेलवे लाइन में यह समानता थी कि दोनों की रेलवे लाइन बहुत गहराई से होकर जाती है। 3. लेनिनग्राद के प्लेटफॉर्म की सजावट बहुत अच्छी है। प्लेटफॉर्म की सफाई ऐसी है मानो हम किसी पूजाघर में हों। श्रेष्ठ दर्जे के संगमरमर, ग्रेनाइट और तरह-तरह के रंगीन पत्थरों से बना हुआ प्लेटफार्म, दीवारों पर लगी हुई मूर्तियों और छत से लटकते हुए विशाल चंदेलियर किसी रजवाड़े के गलियारे का आभास देते हैं। 4. स्वयं करें। 5. दिसंबरी आंदोलन 1825 ई॰ के दिसंबर महीने में रूस के क्रूर जार शासकों के खिलाफ छेड़ा गया था। दिसंबरी आंदोलन में जिन लोगों ने भाग लिया था, उनके साथ जार निकोलस प्रथम ने बड़ी बेरहमी का बरताव किया था। 6. लेनिनग्राद की सड़कों पर जगह-जगह गुणा के निशान बनाए गए हैं जिसका मतलब यह है कि किसी को उतारने या चढ़ाने के लिए वहाँ अपनी मोटर खड़ी नहीं कर सकते। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. द, 2. स, 3. द, 4. द, 5. द, 6. स, **(4)** 1. जून, 2. रसद, 3. नेवा, 4. प्लेटफॉर्म, 5. इजाक, 6. उन रचनाकारों, **(5)** ।. फिनलैंड, 2. लेनिनग्राद, 3. लंदन, 4. सेंट पीटर्सबर्ग, 5. मास्को, 6. पेत्रेगाद, **भाषा की बात :** (क) 1. आ सकती है, 2. लेकर मुस्करा दिए।, 3. होंगे, 4. खड़े हो गए।, 5. देखने आते हैं।, 6. दिखाई पड़ा। (ख) शांति, कम, नाउम्मीद, सांझ, अंतिम, **सोचने-समझने की बात :** लेनिनग्राद में जून के पहले हफ्ते में सड़कों की बत्तियाँ बुझा दी जाती हैं और अगस्त के बाद ही इन्हें जलाने की जरूरत पड़ती है। ऐसी स्थिति में वहाँ बिजली की खपत कम होती होगी। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अधयाय-11 : संस्कृति और सभ्यता

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित : 1.** आज हमारे देश में दो प्रवृत्तियाँ मुख्य रूप से देखी जा रही हैं एक प्रवृत्ति तो है कल-कारखानों के विकास की और दूसरी वह जिससे प्रेरित होकर हम नृत्य, संगीत, नाटक और खेल-कूद में ज्यादा दिलचस्पी लेने लगे हैं और ये दोनों प्रवृत्तियाँ एक-दूसरे से संब) हैं। 2. हमारे ऋषि-मुनियों की यह विशेषता रही है कि वे सभ्यता के कोलाहल से दूर वनों में रहते थे। 3. लेखक ने सुसंस्कृत व्यक्ति ऐसे लोगों को माना है जिनके पास मोटर और महल तो क्या, अच्छी पोशाकों का भी अभाव है। किंतु उनमें दया, शील-सौजन्य एवं परोपकार की भावना की कमी नहीं है।, 4. समृद्ध देशों और भारत में मूलभूत अंतर यह है कि समृद्ध देशों में संस्कृति की उपेक्षा सभ्यता को बढ़ावा दिया जाता है परंतु भारत में सभ्यता व संस्कृति दोनों को बढ़ावा दिया जाता है। 5. संस्कृति मनुष्य की आत्मा का परिष्कार इस प्रकार करती है। संस्कृति अनेकांतवादिनी होती है। वह अपना पक्ष भी समझती है और विरोधियों के मतों का भी आदर करती है। जो व्यक्ति सुसंस्कृत होता है, वह अपने हृदय की आधी सहानुभूति अपने विरोधियों के लिए सुरक्षित रखता है। वह बहस, घृणा, लड़ाई-झगड़ों से दूर रहता है जिससे वह सभ्य, विनम्र, दयालु, परोपकारी बनता है। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. ब, 2. स, 3. स, 4. द, 5. स, 6. अ, **(4)** 1. चाँदनी, 2. सुसंस्कृत, 3. शहरीपन, 4. संस्कृति, 5. राष्ट्रीयता, 6. धार्मिक, **भाषा की बात : (क)** अति + आचार, धर्म + इक, आविश + कार, सह + अनुभूति, अन + आघात, **(ख)** अपकर्ष, विस्मरण, निडर, शांति, अपकृष्ट, सामान्य, **(ग) भारत :** हिंदुस्तान, आर्यावर्त, भरतखंड, **दिन :** दिवस, वार, वासर, **नदी :** सरिता, प्रवाहिनी, तंरगिनी, **दुनिया :** संसार, विश्व, जगत, **मार्ग :** रास्ता, पथ, राह, **मनुष्य :** मानव, नर, मनुज, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें।, **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-12 : बड़े भाई साहब

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. लेखक अपने बड़े भाई का रूद्र रूप देखकर घबराता था। 2. सफल खिलाड़ी वह है, जिसका कोई निशाना खाली न जाए। 3. उम्र में बड़े लोगों को छोटे उम्र के लोगों को सुधारने और समझाने का अधिकार इसलिए रहता है क्योंकि उन्हें दुनिया का हमसे ज्यादा अनुभव है और रहेगा। 4. कड़ी मेहनत के बावजूद बड़े भाई साहब बार-बार फेल इसलिए हो जाते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि उस समय की जो शिक्षण पद्धति थी वह ठीक नहीं थी तथा इम्तिहान में वह अपने अनुभव के अनुसार उत्तर देते, परंतु परीक्षक पुस्तक के आधार पर नंबर देते। जिसके कारण वह फेल हो जाते थे। उनके फेल होने का कारण यह भी था कि वह पढ़ाई को हौवा समझते थे तथा हर वक्त किताबों को रटने में लगे रहते थे तथा

इम्तिहान में रटंत विद्या काम नहीं करती इसलिए वे फेल हो जाते। 5. खेलने-कूदने के बावजूद छोटा भाई कक्षा में अव्वल इसलिए आ जाता था क्योंकि उसे दुनियादारी की कोई समझ नहीं थी तथा वह खेलकूद में तो मस्त रहता ही था परंतु जितने समय भी पढ़ता मन लगाकर पढ़ता था तथा इम्तिहान में दिए गए प्रश्नों के अनुसार ही उत्तर देता था। 6. कहानी के अंत में बड़े भाई साहब के व्यवहार में यह परिवर्तन आया भाई साहब ने लेखक को डाँटना छोड़कर प्रेम से समझाया और खुद भी अपने छोटे भाई की तरह मौज-मस्ती करनी प्रारंभ कर दी। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3).** स, 2. अ, 3. अ, 4. स, 5. अ, **(4)** 1. रचनाओं, 2. बाहर, 3. लताड , 4. उपदेश, 5. पढ़ाई, **(5)** 1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✗ 5. ✓। **भाषा की बात :** (क)1. मेरे, मुझसे, 2. मैं, वे, 3. मेरी, इसी, उनके, 4. मेरे, उनके, 5. मेरे, ये, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-13 : विनय के पद

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. ईश्वर को 'नाथ' और 'आरतिहर' इसलिए कहा गया है क्योंकि ईश्वर ही असहाय, लाचार व दुखी जनों के स्वामी व दुख दूर करने वाले हैं। 2. तुलसीदास ने भगवान के बारे में यह सुन रखा है कि वह दयालु, दानी, पाप को नष्ट करने वाले, असहाय व लाचारों के रक्षक, दुख को दूर करने वाले, पापियों को पवित्र करने वाले है। तथा बिना सेवा के ही केवल उनका नाम जपने से किसी के भी सभी कष्ट, पाप, दुख मिट जाते हैं। 3. तुलसीदास ईश्वर को 'पतित पावन' कहकर उनसे अपने पापों को पवित्र कराना चाहते हैं। 4. व्याध, गतिका, अजामिल आदि का नाम कवि ने इसलिए लिया था क्योंकि ये वेद-शास्त्र कहे गए हैं।, 5. जाने -अनजाने में भी राम का नाम लेने पर भद्र के सभी कार्य पूर्ण हो जाते हैं तथा उस भद्र को नरक से मुद्रि मिल जाती है। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)**1. ब, 2. अ, 3. अ, 4. द, 5. अ। **भाषा की बात : (क)** पापी, आर्त (दुःखी), चरण, शरण, बिधि, गनिका, **(ख) सागर :** समुद्र, रत्नाकर, सिंधु, **हर्ष :** आनंद, प्रसन्नता, उल्लास, **सिंधु :** उद्धि, जलधि, नीरधि, **हरि :** प्रभु, परमात्मा, परमेश्वर।

सोचने समझने की बात :स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-14 : सुभान खाँ

1.मौखिक : स्वयं करें। **2.लिखित :** 1. सुभान खाँ एक अच्छे राज मिस्त्री थे। उनके जीवन में काम व अल्लाह दो बातें महत्वपूर्ण थीं। 2. स्वयं करें। 3. लेखक का मुस्लिम समाज से गहरा संबंधा होने का कारण यह था कि न जाने कितने देवी देवताओं की मनौती के बाद उनकी माँ ने उन्हें प्राप्त किया था, उनमें एक हुसैन साहब भी थे। नौ

साल की उम्र तक जब जनेऊ नहीं हो गया था, मुहर्रम के दिन मुसलमान बच्चों की तरह उन्हें भी ताजिये के चारों ओर रंगीन छड़ी लेकर कूदना पड़ा था और गले में गंडे पहनने पड़े थे। 4. बचपन में लेखक मुहर्रम के दिन नए कपड़े पहनता, उछलता-कूदता तथा नए-नए चेहरे और तरह-तरह के खेल देखता था। 5. हज से लौटने के बाद सुभान दादा का ज्यादा वक्त नमाज-बंदगी में ही बीतता। दिन भर उनके हाथों में तसबीह के दाने घूमते और उनकी जबान अल्लाह की रट लगाए रहती। 6. सुभान का लंबा, चौड़ा, तगड़ा बदन था। पेशानी चौड़ी, भवें बड़ी सघन और उभरी हुई थीं। आँखों के कोनों में कुछ लाली, पुतलियों में कुछ नीलेपन की झलक। नाक असाधारण ढंग से नुकीली। दाढ़ी सघन, इतनी लंबी कि छाती तक पहुँच जाए। छाती, बुढ़ापे में भी फैली, फूली हुई। चेहरे से नूर टपकता, मुँह से शहद झरता। वे भलेमानसों के बोलने-चालने, बैठने-उठने के कायदे की पूरी पाबंदी करते थे। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. ब, 2. द, 3. अ, 4. ब, 5. स, **(4)** 1. अल्लाह, 2. तीर्थों, 3. मामा जी, 4. मजदूरी, अल्लाह, 5. भलेमानसों, पाबंदी, 6. तीरथ, बालों, **(5)** 1. लेखक ने, सुभान खाँ से, 2. लेखक ने, सुभान खाँ से, 3. सुभान खाँ ने, लेखक से, 4. सुभान खाँ ने, लेखक से, **भाषा की बात :** (क) पूर्व, दक्षिण, तीर्थ, सूर्य, अश्रु, नासिका, (ख) चेहरे, छुआरा, डुबकी, अधर, रेखाएँ, आँखें। **(ख)** शिष्ट + आचार, श्रद्धा+ अंजलि, उप + चार, उत् + घाटन, वात + आवरण, **सोचने समझने की बात :** स्वयं कीजिए। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-15 : प्रेमचंद का बचपन

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. मौलवी साहब लालपुर गाँव में रहते थे मौलाना साहब पेशे से दरजी थे, मगर मदरसा भी लगाते थे। 2. तालाब के मेले में हलधर इसलिए नहीं जा सका क्योंकि मौलवी साहब ने एक कड़ी शर्त लगा दी थी कि सभी लड़के छुट्टी के पहले अपना-अपना सबक सुना दें। जो सबक न सुना सकेगा, उसे छुट्टी न मिलेगी तथा हलधार अपना सबक न सुना सका। 3. फसल के दिनों में प्रेमचंद कभी किसी के खेत में घुसकर ऊख तोड़ लाते, मटर उखाड़ लाते। टिकोरे पेड़ में आने पर चाँदमारी करते। ऐसा तेज निशाना मारते कि दो-तीन ढेलों में आम जमीन पर नजर आता। 4. मौलवी साहब को खुश करने के लिए प्रेमचंद और हलधार दोनों अपने गाँव के लोगों से उनकी खूब बड़ाई करते थे जिस दिन कोई अच्छा बहाना न सूझता, मौलवी साहब के लिए कोई-न-कोई सौगात ले जाते। उनके लिए कभी सेर-आधा-सेर कलियाँ तोड लेते थे, तो कभी दस-पाँच ऊख, कभी जौ या गेहूँ की हरी-हरी बालें ले जाते थे। इन सौगातों को देखते ही मौलवी साहब का क्रोधा शांत हो जाता। कभी-कभी मौलवी साहब की चिडियों के लिए बेसन पीसते थे। कभी-कभी उनकी बकरी के लिए हरी-हरी पत्तियाँ तोड़ लेते, बाजार जाकर सौदा। आदि लाते थे।

5. घर जाते हुए प्रेमचंद के मन में निम्नलिखित विचार आ रहे थे कि हमारे द्वार पर इमली का एक घना वृक्ष था। मैं उसी की आड़ में छिप गया कि जरा और अँधेरा हो जाए, तो चुपके-से घुस जाऊँ और अम्मा के कमरे में चारपाई के नीचे जा बेढूँ। जब सब लोग सो जाएँगे, तो अम्मा से सारी कथा कह सुनाऊँगा। अम्मा कभी नहीं मारती। जरा उनके सामने झूठमूठ रोऊँगा, तो वह भी पिघल जाएँगी। रात कट जाने पर कौन पूछता है, सुबह तक सबका गुस्सा ठंडा हो जाएगा। 6. प्रेमचंद के रोने पर पिताजी की निम्नलिखित प्रतिक्रिया हुई- पिताजी सहम गए। उनका हाथ उठा ही रह गया। शायद समझे कि जब अभी से इसका यह हाल है, तब तमाचा पड़ जाने पर कहीं इसकी जान ही न निकल जाए।

बहुविकल्पीय प्रश्न (3) 1. स, 2. स, 3. स, 4. स, 5. अ, **(4)** 1. रोता-पीटता, 2. ढेला, मीर, 3. टोली, सरदार, 5. चिडियों, बेसन, 6. घर, 7. हलधार। (5) नवाब की माँ ने, नवाब से, 2. नवाब ने, अपनी माँ से नवाब की 3. अम्मा ने, नवाब से, 4. नवाब ने, अपने पिता से, 5. नवाब के पिता जी ने, नवाब से, 6. नवाब की चाची ने, नवाब की माँ से। **भाषा की बात :** (क)1. बाल - बालक, बल - ताकत, 2. प्रसाद - देवी-देवताओं को अर्पित करने के बाद भक्तों में बाँटी जाने वाली खाद्य वस्तु। प्रासाद - महल, 3. जवान - नवचुबक, जुबान - जीभ, वाणी, 4. दवाई - औषधि, दवाई - दबाने की क्रिया। **(ख)** विजेता, भयानक, मीठा, गरीब, ऊँचा, जोशीला, **सोचने समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-16 : अतिथिदेवो भव

1. मौखिक: स्वयं करें। **2. लिखित : 1.** सुंदर ने खाना न मिलने के कारण अपनी बहन से व्याकुल होकर कहा तुम्हारी बात को इस समय मैं समझना भी नहीं चाहता बहन, मैं तो इस समय भूख से व्याकुल हो रहा हूँ। तुम जानती हो, कल मुझे रोटी का एक छोटा-सा टुकड़ा ही खाने को मिला था। अब नहीं रहा जाता-बहन! चलो, नदी का दो घाँट जल पीकर ही भूख शांत करें। 2. चंपा ने सुंदर को नदी के पानी से प्यास बुझाने के लिए मना इसलिए किया क्योंकि वह सुंदर को भर पेट रोटियाँ खिलाना चाहती थी। 3. महाराणा प्रताप को अकबर से संधि न करने का अफसोस अपनी बेटी का कटा हुआ सिर देखकर होता है। 4. चंपा महाराणा प्रताप से यह प्रतिज्ञा लेने को कहती है कि हम कभी भी अपना मस्तक अकबर के सामने नहीं झुकाएँगे। 5. अतिथि अपने प्रश्न का जवाब चंपा से सुनकर इसलिए आश्चर्य चकित हो गया क्योंकि चंपा के जवाब में उसे देशभक्ति, पितृभक्ति, शत्रु के सामने नतमस्तक न होना आदि गुण दिखाई दिए। **बहुकल्पीय प्रश्न (3)**1. अ, 2. स, 3. द, 4. अ, 5. ब, 6. स, **(4)** 1. सरिता, 2. जीवन, 3. नदी, पानी, 4. रोटी, 5. रोटी, झोंपड़ी, 6. व्यवस्था, **(5)** 1.

सुंदर ने, चंपा से, 2. चंपा ने, सुंदर से, 3. चंपा ने, सुंदर से, 4. महाराणा प्रताप ने, गुणबती से, 5. गुणवती ने, महाराणा प्रताप से, 6. अकबर ने, महाराणा प्रताप से। **भाषा की बातः(क) 1.** अतिथि आश्चर्यचकित होकर चंपा की ओर देखता है।, 2. रोटियाँ सूखी हैं परंतु अमृत का स्वाद देती हैं।, 3. झोंपड़ी में अन्न का एक दाना भी नहीं है।, 4. सुंदर माला तोड़कर भूमि पर फेंक देता है। **(ग)** . ठीक है, अब मेरी साधना सफल हुई। अच्छा, अब माता-पिता, दोनों को सदा के लिए प्रणाम।, 2. महाराणा प्रताप, आप धन्य हैं। आपकी संतानों का आत्म त्याग, पाषाण और वज्र-हृदयों को भी मोम-सा कोमल बना देने वाला है। **2.सोचने-समझने की बात :** हल्दी घाटी के युद्ध और खानवा जैसे युद्धों के पीछे स्वदेश प्रेम, स्वाभिमान, देश के गौरव के सम्मान की भावना आदि कारण हो सकते हैं। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-17 : सबसे बड़ा गरीब

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. सुखिया का बचपन बहुत ही दुख भरा था। उसके माता-पिता बचपन में ही गुजर गए थे। 2. सुखिया और उसके बेटे को महामारी की तरह फैले बुखार ने आ जकड़ा था।, 3. डॉ. प्रसाद लोभी, निर्मम, पैसे को भगवान समझने वाला, घमंडी व कठोर व्यक्ति था।, 4. डॉ. प्रसाद और डॉ. प्रकाश के मिलने का कारण डॉ. प्रसाद का बच्चा था जिसके हृदय में छेद था तथा जिसका ऑपरेशन डॉ. प्रकाश कर सकते थे।, 5. डॉ. प्रकाश ने डॉ. प्रसाद को भेंट में एक लिफाफा दिया जिसमें उनके द्वारा ली गई ऑपरेशन की फीस तथा एक पत्र था। वह लिफाफा उन्होंने डॉ प्रसाद को इसलिए दिया क्योंकि वे गरीबों से फीस, नहीं लेते थे। उनकी नजरों में डॉ. प्रसाद गरीब थे क्योंकि करुणा, दया, सहानुभूति जैसे सद्‌गुण उनमें नहीं थे। 6. लेखक के अनुसार इस पाठ का सबसे बड़ा गरीब डॉ. प्रसाद थे क्योंकि लेखक की नजर में वह व्यक्ति सबसे गरीब है जिसके पास करुणा, दया, सहानुभूति जैसे सद्‌गुण न हों और ये सभी गुण डॉ. प्रसाद के पास नहीं थे। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** 1. ब, 2. स, 3. ब, 4. द, 5. स, 6. स, **(4)** 1. ईर्ष्या, 2. अभिव्यक्ति, दुनिया, 3. कीचड़, कमल, 4. सौ, 5. बस्ती, 6. दावतों, पार्टियों, **(5)** . सुखिया ने, अपने आप से, 2. फीस जमा करने वाले ने, सुखिया से, 3. कंपाउंडर ने, सुखिया से, 4. डाक्टर प्रसाद ने, कंपाउडर से, 5. सरकारी अस्पताल के कंपाउंडर ने, सुखिया से, 6. सुखिया ने, भगवान से। **भाषा की बात : (क)** गरीब, अज्ञानी, मरण, घृणा, अंत, दुख, हानि, अपमान, (ख) **रास्ता :** मार्ग, पथ, राह **बेटा :** पुत्र, तनय, **दुनिया :**संसार, विश्व, जगत, **दिन :** दिवस, वार, वासर, **भगवान :** ईश्वर, परमेश्वर, परमात्मा, **बादल :** मेघ, नीरद, वारिद, **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-18 : शून्य का आविष्कार

1. मौखिक : स्वयं करें। **2. लिखित :** 1. हर अंक का मान स्थानमान पद्धति के अनुसार निर्धारित होता है। 2. छन्दसूत्रम्, 3. प्राचीन काल में राजा या धानी लोग अभिलेख खुदवाया करते थे। 4. स्वयं करें। 5. आज हम 0 चिहनों से सारी संख्याएँ लिखते हैं।, 6. चेदि संवत का अर्थ है-ईसवी सन् 1594. **बहुविकल्पीय प्रश्न(3)** 1. स, 2. स, 3. स, 4. स, 5. द, **(4)** 1. दो सौ, 2. अभिलेख, 3. संखेड़ा, 4. आठवीं, 5. वृत्त, **भाषा की बात :** (क) वस्तुएँ, चिहनों, सूत्रें, ग्रंथों, गाँवों, संख्याएँ, अभिलेखों, अंकों, (ख) अस्वीकार, अनिश्चित, नई, परंतत्र आखिरी, शहर, कठिन, देर, (ग) दर्शन + इक, साहित्य + इक, स्थान + ईय, भारत + ईय, जानकार + ई, निर्धार + इत। **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-19 : राम वन गमन

1. मौखिक : स्वयं करें।, **2.लिखित :** 2. अवध को छोड़कर जाते समय राम और सीता के पथ के साथी नर-नारी बने। 2. राम के नेत्रें की तुलना कमल से की गई है। 3. सीता ने राम से पूछा कि अब कितनी दूर और चलना है, पर्ण कुटी कहाँ है।, 4. राम की आँखों में आँसू सीता की आतुरता (व्याकुलता) देखकर आ गए। 5. ग्रामीण राजा को कह रहे हैं कि क्या राजा दशरथ कर्त्तव्य- अकर्त्तव्य नहीं जानते हैं जो स्त्री (पत्नी) के कहने पर राम को वनवास दिया है। 6. गाँव की स्त्रियों ने कैकेयी को अज्ञानी और दशरथ को कर्त्तव्य-अकर्त्तव्य का विचार न करने वाला इसलिए बताया क्योंकि राम सभी के बहुत प्यारे थे। वे कभी किसी का बुरा नहीं चाहते थे। फिर भी राजा दशरथ ने कैकेयी के कहने पर उन्हें वनवास दे दिया। **बहुविकल्पीय प्रश्न(3)**1. अ, 2. ब, 3. स, 4. स, 5. ब, **भाषा की बात : (क)** कंटक, नेत्र, काला, बहू, दिल, सखा, सुंदर, राहगीर (यात्री)। **(ख)** अधर्म, अकर्त्तव्य, कठोर, अज्ञानी। **सोचने समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

अध्याय-20 : भिखारिन

1.मौखिक : स्वयं करें।, **2.लिखित :** 1. अंधी ने झोंपड़ी में एक हाँडी छिपा रखी थी जिसमें वह अपने माँगे हुए पैसे डाला करती थी। 2. अंधी स्त्री अपना गुजारा भिक्षा माँगकर चलाती थी।, 3. अंधी भिखारिन ने सेठ जी से डरते हुए कहा, 'सेठ जी, मेरी पैसे से भरी हाँडी को अपने पास जमा कर लो, मैं अंधी, अपाहिज कहाँ रखती फिरुँगी?' 'भीख माँग-माँगकर अपने बच्चे के लिए दो-चार पैसे संग्रह किए हैं अपने पास रखते डरती हूँ, कृपया इन्हें आप अपनी कोठी में रख लें।' 4. एक दिन अंधी के लड़के को ज्वर हो गया और दिन-प्रतिदिन लड़के की दशा खराब होती चली गई।

उसके अच्छे इलाज के लिए अंधी बुढ़िया को पैसों की जरूरत पड़ गई। 5. चारों ओर अपरिचित व्यक्तियों को देखकर वह घबरा गया और उसने अपने नेत्र बंद कर लिए। 6. ममता शब्द ने अंधी को विकल कर दिया। फिर वह सेठ जी के साथ बीमार मोहन से मिलने को चल दी ताकि वह उससे मिलकर शीघ्र स्वस्थ हो जाए। **बहुविकल्पीय प्रश्न (3)** . ब, 2. अ, 3. ब, 4. अ, 5. ब, **(4)** . दुआएँ, सहायता, 2.फैलाए, 3. मस्तक, 4. झोंपड़ी, हाँडी, 5. बनारसीदास, 6. खून-पसीना, (ग) 1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✓,**भाषा की बात :** (क) कामचोर, अदृश्य, दुर्बुद्धि, कृतहीन, (ख) बाहर, सकंल्प, अग्रज, निषेध, अस्वस्थ, अप्रसिद्ध (ग) पंडिताइन, अंधा, बच्ची, सेठानी, भिखारी, माँजी, नौकरानी। **सोचने-समझने की बात :** स्वयं करें। **कुछ करने की बात :** स्वयं करें।

YELLOW BIRD PUBLICATIONS PVT. LTD.
EDUCATIONAL PUBLISHER

Regd. Off. : F-214, Laxmi Nagar, Delhi-110 092
Tel. : 91-11-4758 6784, 91-97116 18765
E-mail : yellowbirdpublications@gmail.com • info@yellowbirdpublications.com
Website : www.yellowbirdpublications.com